कोटा में लग्जरी कारों से 14 लाख की अवैध शराब की बरामद, पांच गिरफ्तार

थाना चेचट द्वारा की गई कार्रवाई में तीन तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गये

कोटा, (निसं)। अवैध शराब तस्करी व तस्करों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत् ग्रामीण की थाना मंडाना व थाना चेचट व साइबर की स्पेशल टीमों ने अलग-अलग जगहों पर कार्रवाई करते हुए तीन लगजरी वाहनों से अवैध शराब की बड़ी खेप पकड़ी है, जिसकी कीमत करीब 14 लाख 50 हजार रूपये बताई गई। मामले में सामने आया कि थाना चेचट द्वारा की गई कार्रवाई में तीन तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गये, वहीं मंडाना पुलिस टीम द्वारा की गई दो कार्रवाई में पुलिस ने पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि थानाधिकारी थाना चेचट मय जाप्ता के गश्त व चौकिंग करते हुए 8 लाईन इन्टरचेंज चेचट की पुलिया दिल्ली-वडोदरा-मुम्बई एक्सप्रेस वे के नीचे पहुंचकर नाकाबंदी की गई। नाकाबंदी के दौरान वाहनों की चैकिंग की जा रही थी, उसी

- **कोटा ग्रामीण की थाना मंडाना व थाना चेचट व साइबर की स्पेशल टीमों ने अलग-अलग जगहों पर कार्रवाई करते हुए तीन लगजरी वाहनों से अवैध शराब की बड़ी खेप पकड़ी**

दौरान गुजरात नम्बर की कार मैन टॉल की तरफ से चेचट इन्टरचेंज के तरफ आती हुई दिखी, पुलिस टीम कार को रुकवाना चाहा तो वाहन चालक ने अपनी कार की स्पीड बढ़ा दी जिस पर संदेह होने पर जाप्ता की मदद से गाड़ी के आगे बैरिकेट लगाकर कार को रोकना चाहा, लेकिन कार चालक अपनी कार को तेज गति से रोड पर लगे बेरीकेट व रोड से नीचे जूम में रखे सीमेण्ट के ब्लॉक को टक्कर मारकर गाड़ी को घुमाकर चेचट की तरफ भगाकर ले गया। जिस पर पुलिस टीम ने कार का पीछा किया तो कार चालक कार को मोड़क की तरफ भगा ले गया बाद में बड़ोदिया टॉल से कार को गुमाकर वापस चेचट की तरफ ले गया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि बड़ोदिया तिराहा पर कार को छोड़कर तीनों आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर खेते की तरफ भाग गये। पुलिस टीम ने भागे हुए मुल्जिमों को खेतों में काफी तलाश किया परन्तु कहीं कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस टीम ने कार की तलाशी ली तो कार में से 2860 अंग्रेजी शराब के पव्वे बरामद किये।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि मंडाना थानाधिकारी ने मय जाप्ता कार्रवाई करते हुए दो दिन की कार्रवाई में अवैध शराब के साथ पांच तस्करों को पकड़ा है। मंडाना थानाधिकारी मय जाप्ता काल्याखेड़ी में नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग की, उसी दौरान एक कार आती हुई दिखी, पुलिस नाकाबंदी को देखकर कार चालक ने कार को घुमाने का प्रयास करने लगा, मौके पर मौजूद पुलिस टीम ने घेराबंदी कर कार को रूकवाया और कार में बैठे तीन जनों पर संदेह होने पर मौके पर डिटेन कर कार की तलाशी ली गई तो कार में से अवैध शराब की अलग-अलग ब्रांडों की 166 हाईब्रांड शराब की बोतलें और 48 पव्वे बरामद किये गये। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए विजयनगर सूरत निवासी किरिट भाई (55) सूरत निवासी राहुल महेश भाई (36) सूरत निवासी कन्नु भाई (40) को गिरफ्तार किया।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मंडाना पुलिस टीम ने एनएच 52 पर नाकाबंदी कर वाहनो की चैकिंग की, इसी दौरान टीम के सदस्य लाखन सिंह को मुखबीर से सूचना मिली कि काल्याखेड़ी के पास हाइवे के रेस्ट एरिया में एक सफेद रंग की गुजरात नंबर की कार काफी देर से खड़ी हुई है, जिसमें दो लड़के हैं जो बार-बार हाईवे की तरफ आते हैं ओर वापस कार के पास चले जाते हैं उक्त कार संदिग्ध हो सकती है। सूचना पर मदनलाल ढाका प्रोबेशनर आरपीएस मय जाप्ता गोपालपुरा कट से रवाना होकर काल्याखेड़ी एनएच 52 के रेस्ट ऐरिया के पास पहुंचे तभी रेस्ट ऐरिया में खड़ी हुई सफेद रंग की एक कार पुलिस वाहन को देखकर झालावाड़ की रोड जाने के लिये रवाना हुई पुलिस टीम ने पीछा कर कार को रूकवाया और कार में बैठे दोनों व्यक्तियों को डिटेन किया गया। पुलिस टीम ने कार की तलाशी ली तो कार में से 1088 अंग्रेजी शराब के पव्वे बरामद किये गये। पुलिस टीम ने बाड़मेर निवासी कृष्ण कुमार (23) एवं बाडमेर निवासी रघुनाथ राम (18) को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीमों द्वारा पकडी गई अवैध शराब की कीमत करीब 14 लाख 50 हजार रूपये है।

टोंक के धुंधलेश्वर महादेव पहाड़ पर महात्मा का शव मिला

पुलिस और विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम मौके पर पहुंची तथा साक्ष्य जुटाये

टोंक, (निसं)। घाड़ क्षेत्र के प्रसिद्ध धुंधलेश्वर महादेव मंदिर के ऊपरी पहाड़ पर शनिवार को एक महात्मा का शव मिलने से हड़कंप मच गया। ग्रामीणों की सूचना पर शनिवार देर रात्रि घाड़ थाना पुलिस और विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम मौके पर पहुंची तथा पुलिस ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाकर शव को अपने कब्जे में ले लिया।

- **मृतक के पास मिले सामान की तलाशी में ड्राइविंग लाइसेंस बरामद हुआ, इससे महात्मा की पहचान गुजरात निवासी के रूप में हुई**
- **पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है और शव को दूनी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है**

घाड थाना प्रभारी हरीराम वर्मा ने बताया कि मृतक के पास मिले सामान की तलाशी में एक ड्राइविंग लाइसेंस बरामद हुआ है, इससे उनकी पहचान गुजरात निवासी महात्मा के रूप में हुई है। उनके सामान से 10,510 रुपये नकद और 5 रुपये के दो सिक्के भी मिले हैं। पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है और शव को दूनी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

मंदिर के पुजारी हेमराज ने जानकारी दी कि कुछ दिनों पहले यह महात्मा मंदिर में आए थे। पुजारी ने उनके रहने और भोजन-दूध की व्यवस्था की थी। पुजारी के अनुसार तीसरे दिन सुबह जब मैं सेवा-पूजा के लिए दूध लेकर पहुंचा, तो महात्मा वहां नहीं थे। वे सुबह जल्दी ही स्नान करके कहीं निकल गए थे।

मंदिर के पुजारी हेमराज ने जानकारी दी कि महात्मा के अचानक चले जाने के कुछ दिनों बाद उनकी पत्नी गुजरात से उन्हें ढूंढते हुए धुंधलेश्वर महादेव मंदिर पहुंची थीं। जब उन्हें पता चला कि महात्मा यहां से जा चुके हैं, तो वे पुजारी को अपना मोबाइल नंबर देकर गई थीं, ताकि कोई सुराग मिलने पर उन्हें सूचित किया जा सके। पुलिस को जांच के दौरान महात्मा के सामान से एक डायरी (कॉपी) भी मिली है, जिसमें वे कथाएं लिखा करते थे, इस डायरी में अंतिम कथा 8 मार्च को लिखी गई थी। इस घटना को लेकर क्षेत्र में एकांत समाधि की चर्चा है।

इधर, ग्रामीणों और स्थानीय क्षेत्र के लोगों में चर्चा है कि महात्मा ने इस निर्जन और शांत पहाड़ी पर आकर एकांत समाधि ली है। फिलहाल पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट व परिजनों के आने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगी।

भरतपुर में श्रद्धालुओं की पिकअप ट्रक से भिड़ी, एक दर्जन लोग घायल

डीग-गोवर्धन मार्ग स्थित बहज गांव के पास हादसा हुआ, कई गंभीर घायल भरतपुर रेफर किये

भरतपुर, (निसं)। डीग-गोवर्धन मार्ग स्थित बहज गांव के पास तेज रफ्तार ट्रक और यात्रियों से भरी पिकअप की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। पिकअप में सवार बच्चे, बुजुर्ग समेत एक दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से घायलों को बाहर निकालकर डीग राजकीय चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर एक दर्जन से अधिक घायलों को भरतपुर के आरबीएम अस्पताल रेफर कर दिया गया।

- **पिकअप सवार लोग रामपुर-बानसूर क्षेत्र से वृंदावन सवामणी के लिए जा रहे थे**

अस्पताल में घायलों का प्राथमिक उपचार किया गया।

जानकारी के अनुसार सभी लोग रामपुर-बानसूर क्षेत्र से पिकअप में सवार होकर वृंदावन सवामनी के लिए जा रहे थे।

इसी दौरान गोवर्धन की ओर से आ रहे ट्रक से बहज गांव के पास उनकी आमने-सामने भिड़ंत हो गई। जिसमें एक दर्जन से अधिक लोग घायल घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की सहायता से एम्बुलेंस के जरिए अस्पताल पहुंचाया गया। आरबीएम अस्पताल के डॉक्टर विवेक शर्मा ने बताया कि हादसे में बूढ़े, बच्चे और युवा सभी घायल हुए हैं। सभी को अस्पताल की इमरजेंसी में लाकर एक्स-रे और प्राथमिक जांच कराई गई है। जिन मरीजों के फ्रैक्चर पाए गए हैं, उन्हें ऑर्थो वार्ड और सर्जरी वार्ड में भर्ती किया गया है, जबकि अन्य घायलों का प्राथमिक उपचार किया जा रहा है।

14 साल बाद भी नहीं मिली सफाई कर्मचारी की नौकरी, 329 अभ्यर्थी थाने पहुंचे

हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी अटकी नियुक्ति, रिश्तेदारों को नौकरी दिलाने का आरोप

अलवर, (निसं)। अलवर नगर निगम की साल 2012 की सफाई कर्मचारी भर्ती को लेकर चयनित 329 अभ्यर्थियों ने भर्ती प्रक्रिया में बाधा डालने का आरोप लगाया है। अभ्यर्थियों ने अखेपुरा थाने में शिकायत दी है।

- **आरोप है कि साल 2012 में 329 पदों पर हुई भर्ती में चयनित होने के बावजूद 14 वर्षों से नियुक्ति नहीं मिल सकी है**

सफाई कर्मचारी भर्ती में चयनित अभ्यर्थियों ने अखेपुरा थाने में शिकायत दी।

अभ्यर्थियों ने हजूरी गेट वाल्मीकि बस्ती निवासी पूर्व नगर पार्षद आशा चांवरिया और उनके पति दौलतराम चांवरिया पुत्र प्रभातीराम के खिलाफ नामजद शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है।

अभ्यर्थियों का आरोप है कि साल 2012 में 329 पदों पर हुई भर्ती में चयनित होने के बावजूद उन्हें पिछले 14 वर्षों से नियुक्ति नहीं मिल सकी है। राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश और स्वायत्त शासन विभाग के निर्देशों के बाद अब नियुक्ति प्रक्रिया आगे बढ़ रही है, लेकिन आशा चांवरिया और दौलतराम चांवरिया द्वारा लगातार झूठी शिकायतें, आरटीआई और न्यायालय में मामला लंबित होने की गलत जानकारी देकर प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न की जा रही है। अभ्यर्थियों का आरोप है कि आशा चांवरिया और दौलतराम चांवरिया भर्ती प्रक्रिया को रद्द करवाना चाहते हैं ताकि उनके रिश्तेदारों को नौकरी मिल सके। 2012 की सफाई कर्मचारी भर्ती में अनियमितताओं के आरोप लगे थे, जिसके कारण यह भर्ती विवादों में रही है। इस मामले में कई याचिकाएं हाईकोर्ट में दायर की गई थीं। अभ्यर्थियों ने शिकायत में बताया कि भर्ती प्रक्रिया को लेकर पूर्व में दायर याचिका संख्या 2189/2014 का निस्तारण हो चुका है और सुनवाई के दौरान कोई ठोस साक्ष्य भी प्रस्तुत नहीं किए गए थे। इसके बावजूद लगातार आपत्तियां उठाकर चयनित अभ्यर्थियों को मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा है।

रविवार को बड़ी संख्या में अभ्यर्थी अखेपुरा थाने पहुंचे और दोनों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने, झूठी शिकायतें करने और अभ्यर्थियों को परेशान करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की। अभ्यर्थियों ने चेतावनी दी कि कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन और धरना दिया जाएगा। इसके बाद पुलिस ने शिकायत लेकर जांच शुरू कर दी है।

डकैती की वारदात में प्रयुक्त वाहन चरखी दादरी से जब्त

मुकुन्दगढ़, (निसं)। जिले के मुकुन्दगढ़ थाना क्षेत्र में हुए चर्चित डकैती और अपहरण प्रकरण में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। मुकुन्दगढ़ थाना पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त वाहन को हरियाणा के चरखी दादरी क्षेत्र से बरामद कर जब्त कर लिया है। मामले में अब तक पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

कार्रवाई मुकुन्दगढ़ थानाधिकारी ताराचंद के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा की गई। पुलिस के अनुसार 19 मार्च 2026 को भोजासर निवासी रामनिवास ने मुकुन्दगढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसका भाई सुरेन्द्र और महिपाल फॉर्च्यूनर गाड़ी से जयपुर गए थे। लौटते समय घोड़ीवारा कलां स्कूल के पास रात करीब 11 बजे एक बलेनो कार ने उनकी गाड़ी के आगे वाहन लगाकर रोक लिया। आरोपियों ने फायरिंग कर गाड़ी का शीशा तोड़ा और दोनों का अपहरण कर लिया। इसके बाद बदमाशों ने व्हाट्सएप मैसेज भेजकर 20 लाख रूपए की फिरौती मांगी तथा जान से मारने की धमकी दी।

'कुमार अजय की नई किताब आधुनिक डायरी विधा को समृद्ध करने वाली है'

जयपुर। कुमार अजय की नई किताब 'आत्माओं में घुले दु:ख' आधुनिक डायरी विधा को समृद्ध करने वाली किताब है। साधारण घटनाओं और रोजमर्रा की बातों की शुरू होकर डायरी कुछ ही पंक्तियों में ऐसे चरम पर पहुंचती है कि पाठक चमत्कृत होकर रह जाता है। यूं हिंदी साहित्य में डायरी लेखन कोई नई विधा नहीं। अनेक प्रसिद्ध लेखकों की डायरियां हमें मिल जाती हैं मगर यह डायरी डायरी विधा में मनोवैज्ञानिक चिंतन को आत्मसात करती है। डायरी का अधिकतर कालखंड कोरोना समय है, हालांकि इस कालखंड की भयावता पर अभी तक उतना लेखन नहीं हो पाया है। यह एक प्रश्न पाठकों को सोचने पर मजबूर कर सकता है। 2 दिसंबर, 2018 से 31 दिसंबर, 2022 के बीच के कालखंड की यह डायरी कोरोना महामारी के पहले और बाद के परिवेश में पाठकों को तुलना करने का भी मौका देती है। अपनी किताब में कुमार अजय 'जिंदगी खूबसूरत है' के मूलमंत्र के साथ आगे बढ़ते जाते हैं और उम्मीद का दीपक तेज हवाओं के झोंके से भी बुझने नहीं देते।

कुमार अजय का अनुभव क्षेत्र विस्तृत है, पत्रकारिता से जुड़े होने के कारण उनमें मानवीय संबंधों के गहराई तक पोस्टमार्टम की कला भी खूब है। 'बिना काम के आदमी को कौन याद करता है' पाठ में वह लिखते हैं 'जहां आस्था है, वहां व्यापार भी है। व्यापार है, वहां समृद्धि भी है। समृद्धि है तो फिर अटलिकाएँ हैं।' इसी प्रकार 'धीमी आंच की लज्जत' पाठ में वह कहते हैं 'कुछ लोग इतने मासूम होते हैं कि सामने वाले को भी उतना ही मासूम समझते हैं और सारा सच जानते हुए भी उनका झूठ सुनते रहना कितना मजेदार होता है' हमें प्रेमचंद के गोदान के पात्रों की याद दिला देता है। डायरी में कुमार अजय अपनी आलोचकीय टीप से पाठकों को चमत्कृत कर देते हैं, 'तुगलक', 'हयवदन', 'ययाति' जैसी कालजयी कृतियों पर वह अपनी आलोचकीय प्रतिभा का दिग्दर्शन करवाते हुए प्रभावित करते हैं। कुमार अजय की डायरी, डायरी के मूल तत्वों निजता, सत्यता और आत्मीयता से परिपूर्ण है। 'प्रेम की राह' में उनकी पंक्तियां, 'जिनका आना हमारे लिए किसी स्वप्न के सच होने जैसा हो, उनका जाना कितना मारक और पीड़दायक होता होगा' पाठक की आत्मा के भीतर कहीं गहरे तक उतरती हैं। ऐसी पंक्तियां मात्र शब्द न होकर लेखक के संपूर्ण व्यक्तित्व की ईमानदारी और सच्चाई को बयां करती है। अपने भोगे हुए को यूं सार्वजनिक कर व्यष्टि से समष्टि की ओर ले जाना ही सच्चा लेखन है, जिस पर अजय की डायरी 'आत्माओं में घुले दुख' खरी उतरती है। पुस्तक के आरंभ में लेखक का समर्पण, 'संघर्ष की उन धुनों को जो सुख के इन दिनों का पार्श्व संगीत है' अपने आप में पूरे दर्शन को समेट कर पाठकों के सामने रखता है और साथ ही इस डायरी 'आत्माओं में घुले दुख' के शीर्षक को खोलकर रख देता है, जैसे लेखक कह रहा हो कि हम अपनी आत्मा तक पहुंचें और उसमें घुले दुखों से अपने अंदर के मनुष्य को मांज कर आगे बढें। एक किरण अंधेरे में उजास भरने वास्ते सक्षम होती है।

तस्कर गिरफ्तार

पाटन, (निसं)। स्थानीय पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 510 ग्राम अवैध गांजा जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। वहीं अलग-अलग मामलों में फरार चल रहे आरोपी एवं न्यायालय से जारी गिरफ्तारी वारंटों में वांछित तीन अभियुक्तों को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार 23 मई को थाना पाटन पुलिस द्वारा लोकल स्पेशल एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए दलपतपुरा निवासी रामजीलाल पुत्र जयनारायण के कब्जे से 510 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया।

एसआई भर्ती पुनः परीक्षा-2021 : अभ्यर्थियों के लिए निर्देश जारी

अजमेर, (निसं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने आगामी 20 सितम्बर 2026 को आयोजित होने वाली उप निरीक्षक भर्ती पुनः परीक्षा-2021 के अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण दिशा निर्देश जारी किए हैं। आयोग ने उन अभ्यर्थियों को राहत दी है, जो अपने ऑनलाइन आवेदन में प्रयुक्त एकल साइन-ऑन पहचान संख्या भूल चुके हैं और आवेदन में संशोधन अथवा अनिवार्य केवाईसी प्रक्रिया पूरी नहीं कर पा रहे हैं।

आयोग सचिव ने बताया कि परीक्षा के पात्र अभ्यर्थियों का आवश्यक विवरण आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। इस सूची में अभ्यर्थी का नाम, पिता का नाम, जन्म तिथि, आवेदन क्रमांक तथा आवेदन के समय प्रयुक्त मूल एकल साइन-ऑन पहचान संख्या अंकित है। अभ्यर्थी वहां से अपनी पहचान संख्या की जानकारी प्राप्त कर संशोधन प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त आयोग द्वारा पंजीकृत मोबाइल नंबरों पर संदेश के माध्यम से आवेदन क्रमांक एवं एकल साइन-ऑन पहचान संख्या की जानकारी भी भेजी जा रही है। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिन अभ्यर्थियों का पुराना मोबाइल नंबर अथवा ई-मेल बदल चुका है और सत्यापन प्रक्रिया में समस्या आ रही है, वे निःशुल्क संशोधन करवा सकते हैं।

बाड़मेर में गिरल लिग्नाइट माइंस में श्रमिकों व ग्रामीणों का आंदोलन 45 दिन से जारी

बाड़मेर, (निसं)। जिले के गिरल लिग्नाइट माइंस में स्थानीय श्रमिकों और ग्रामीणों का आंदोलन अब लगातार 45 दिनों से अधिक समय से जारी है, जबकि शिव विधायक रविन्द्र सिंह भाटी को श्रमिकों के साथ धरने पर बैठे हुए 20 दिन पूरे हो चुके हैं। भीषण गर्मी, लगातार बढ़ते तापमान और कठिन परिस्थितियों के बावजूद आंदोलनकारी अब भी अपनी मांगों को लेकर धरनास्थल पर डटे हुए हैं।

शिव विधायक रविन्द्र सिंह भाटी लगातार धरनास्थल पर ही रात्रि विश्राम कर रहे हैं और वहीं से आमजन की समस्याओं को सुनते हुए जनसुनवाई भी कर रहे हैं। आंदोलन स्थल अब केवल मजदूर संघर्ष का केंद्र नहीं, बल्कि क्षेत्र के लोगों की समस्याओं और अधिकारों की आवाज़ का प्रमुख मंच बन चुका है। धरनास्थल पर मौजूद श्रमिकों का कहना है कि पिछले 45 दिनों से अधिक समय से वे अपनी वाजिब मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन अब तक प्रशासन और जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से कोई ठोस समाधान नहीं निकाला गया। भीषण गर्मी और 45 डिग्री से अधिक तापमान के बावजूद श्रमिक, महिलाएं, बुजुर्ग और ग्रामीण लगातार धरने पर बैठे हुए हैं। इससे पहले भी कई आंदोलनकारियों की तबीयत बिगड़ चुकी है और मौके पर चिकित्सकीय सहायता बुलानी पड़ी थी। स्वयं शिव विधायक रविन्द्र सिंह भाटी की तबीयत भी गर्मी के चलते बिगड़ी थी, जिसके बाद धरनास्थल पर ही डॉक्टरों द्वारा उनका उपचार किया गया था।

गिरल लिग्नाइट माइंस में धरने पर बैठे श्रमिकों ने गृह मंत्री अमित शाह को ख़ून से पत्र लिखा।

धरने के 20वें दिन आंदोलन ने भावनात्मक और प्रतीकात्मक रूप से नया मोड़ ले लिया, जब श्रमिकों ने शिव विधायक रविन्द्र सिंह भाटी की मौजूदगी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को ख़ून से पत्र लिखा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बीकानेर आगमन के अवसर पर श्रमिकों ने यह पत्र लिखकर उनका ध्यान गिरल आंदोलन की ओर आकर्षित करने का प्रयास किया। आंदोलनकारियों का कहना था कि जब 45 दिनों से अधिक समय से मजदूर अपनी जायज़ मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं और फिर भी उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही, तब उन्हें अपनी पीड़ा इस प्रतीकात्मक तरीके से देश के गृह मंत्री तक पहुँचानी पड़ रही है। धरनास्थल पर श्रमिकों द्वारा अपने खून से पत्र लिखे जाने के दौरान भावुक दृश्य देखने को मिले। कई मजदूरों ने कहा कि वे वर्षों से मेहनत कर क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को मजबूत करते आए हैं, लेकिन आज उन्हें अपने अधिकारों के लिए सड़क पर बैठना पड़ रहा है।

बाल कल्याण समिति झुंझुनूं की पूर्व अध्यक्ष और पति दिनेश कुमार गिरफ्तार

तीन साल पहले दर्ज एक एफआईआर में कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई की

झुंझुनूं, (निसं)। तीन साल पहले दर्ज एक एफआईआर में कोतवाली पुलिस ने बाल कल्याण समिति झुंझुनूं की पूर्व अध्यक्ष अर्चना चौधरी और उनके पति दिनेश कुमार को गिरफ्तार किया है। दोनों झुंझुनूं शहर के इंदिरा कॉलोनी के रहने वाले हैं।

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में छह अक्टूबर 2021 को अर्चना चौधरी को प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट की शक्तियां प्राप्त न्यायपीठ बाल कल्याण समिति झुंझुनूं के अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया था। इसके बाद आरटीआई कार्यकर्ता राजेश अग्रवाल ने अर्चना चौधरी की नियुक्ति पर सवाल उठाते हुए जून 2022 से तत्कालिन मुख्यमंत्री तक दर्जनों बार शिकायतें की। शिकायत में उनके खिलाफ जम्मू में चोरी जैसी धाराओं में आपराधिक मामलों में संलिप्तता तथा बाल कल्याण समिति में नियुक्ति के लिए अनिवार्य योग्यता ना होने की शिकायतें प्रमुख थी। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं।

- **पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से रिमांड पर भेज दिया**

शिकायतों पर कार्रवाई ना होने पर एफआईआर दर्ज करवाने के लिए झुंझुनूं कोतवाली और एसपी कार्यालय के चक्कर लगाए। वहां से भी सकारात्मक कदम नहीं उठाया गया। इसके बाद राजेश अग्रवाल ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट के आदेश पर करीब पौने तीन साल पहले 10 जुलाई 2023 को कोतवाली झुंझुनूं में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने इस दौरान एएसआई से लेकर एएसपी स्तर तक के अधिकारियों से जांच करवाई। अंतिम जांच सीआईडी सीबी जयपुर के एएसपी द्वारा की गई। जिसमें जांच अधिकारी ने अर्चना चौधरी और उनके पति दिनेश कुमार को आरोपित मानते हुए फाइल कोतवाली झुंझुनूं को भेज दी। कोतवाली पुलिस ने दोनों आरोपितों पूर्व अध्यक्ष अर्चना चौधरी और उनके पति दिनेश कुमार को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से उन्हें पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। चर्चा है कि दिनेश कुमार सेना से जुड़ा हुआ है। जिसके कारण पुलिस इस मामले में अभी ज्यादा खुलासा नहीं कर रही। लेकिन एएसपी देवेंद्र सिंह ने एक मीडियाकर्मी को दी जानकारी में दोनों की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। साथ ही पुलिस की अधिकारिक वेबसाइट पर भी दोनों की फोटो सहित 22 मई की तारीख में गिरफ्तारी अपडेट की गई है।